(1) Lecture Series No:- 73.

Online class.
Date- 12/7/2020
Day- Sunday.
Time- 10:10 to 10:50 AM

Topic.
(1.) Buddhism.

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy.
B.A Part-I
Paper-(5)
A.N.D. College Shahpur
Patory Samastipur.

Ans:-> बुद्ध के अनुसार :->

महात्मा बुद्ध ने बुद्धत्व की प्राप्ति के बाद सर्वप्रथम काशी के निकट सारनाथ में अपना प्रवचन दिया जिसका संकलन धर्म चक्र प्रवर्तक सूत्र में मिलता है। यहीं पर उन्होंने चार आर्य तत्वों का अमृत संदेश मानव को दिया। इनके इन्हीं चार आर्य सत्यों में इनके शिक्षा का सारांश निहित है। इन चार आर्य सत्यों में प्रथम दुःख के स्वरूप तथा दूसरा आर्य सत्य दुःख के कारणों का विवेचन उपस्थित

P.T.O.

(2.)

करते हैं। महात्मा बुद्ध के अनुसार संसार का समस्त कार्य व्यापार दुःखमय है। मानव तथा मानवेतर जीवन सभी दुःख से

परिपूर्ण है। सर्वप्रथम दुःखमा जन्म जरा, रोग मृत्यु, शोक, क्लेश, आशंका नैराश्य सभी आदि आसक्ति से उत्पन्न है। अतः

ये सभी दुःख हैं। इसके अतिरिक्त वे सभी बातें भी दुःख हैं। जिन्हें हम सुख मानते हैं।

विषय भोग इन्द्रिय सुख - ऐश्वर्य विलास (मानव साधन) भाभी हम जानते हैं कि बुद्ध अपने पहचान मान - सम्मान, ध्यान सभी दुःख हैं क्योंकि ये आसक्ति से

उत्पन्न होते हैं। संक्षेप में उन्होंने रूप (Body), वेदना (Feeling), संज्ञा संस्कार और विज्ञान (Reason) इन पाँचों उत्पादन Etc.

END.